मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 245 ■ रविवार, 22 दिसंबर 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

संसद परिसर में हुए बवाल पर फूटा कंगना का गुस्सा

उल्हासनगर के ढाबों पर बिक रही शराब

■ राज्य उत्पाद शुल्क विभाग पर उठ रही उंगलिया

■ अधीक्षक कक्ष में विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. अधिकारियों की लापरवाही के कारण ढाबों पर अवैध और बिना लाइसेंस के शराब की बिक्री के कारण राज्य उत्पाद शुल्क विभाग उल्हासनगर और आसपास के शहरों के रडार पर आ गया है।

उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, कल्याण और ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में होटल, ढाबे, चाइनीज कॉर्नर हैं जहां बिना लाइसेंस के अवैध रूप से शराब बेची जा रही है. खासकर नाबालिगों के बिना अनुमति के शराब पीने से अपराध में वृद्धि हुई है. नियमित रूप से छापामारी न किए जाने के कारण राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी ने राज्य उत्पाद शुल्क विभाग को जिम्मेदार बताया है.

राष्ट्रवादी शरदचंद्र पवार पार्टी के पियुष वाघेला, प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे जिल्हाध्यक्ष एड.स्वप्निल पाटील,राष्ट्र कल्याण पार्टी के अध्यक्ष शैलेश तिवारी, छावा संघटना के निखिल गोले ने राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के ठाणे जिल्हा अधीक्षक प्रवीण तांबे के कार्यालय में आंदोलन किया. अधीक्षक प्रवीण तांबे ने इस आंदोलन को गंभीरता से लिया है और तत्काल रिपोर्ट मंगाकर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। शहर में रात-रात भर खुले रहने वाले डांस बार, होटल, ढाबा, चाइनीज कॉर्नर पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रवीण तांबे ने आश्वासन दिया कि यदि कोई भी नियमों और विनियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो होटल, डांस बार और ढाबों को स्थायी रूप से सील कर दिया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य उत्पाद शुल्क विभाग अगले सात दिनों में दिए गए वादे को पूरा नहीं करता है, तो वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे.

नाइजेरियन-ईरानी गैंग पुलिस की रडार पर

■ वर्ष भर में पुलिस द्वारा नशा माफिया की कमर तोड़ने के प्रयास

ठाणे. ठाणे की स्थिति यह है कि यह ड्रग तस्करों के लिए स्वर्ग बन गया है। लेकिन साल 2024 में ठाणे पुलिस और क्राइम ब्रांच ने ड्रग माफिया की कमर तोड़ने का सफल प्रयास किया है. लेकिन अब भी पुलिस को ईरानी गैंग और नाइजीरियाई तस्करों से चुनौती मिल रही है. अब पुलिस इससे कैसे बच सकती है? यह देखना दिलचस्प होगा।

ठाणे ड्रग माफिया का गढ़ है. शहर ड्रग माफिया के निशाने पर है. चूंकि ठाणे के मुंब्रा और भिवंडी इलाकों में ड्रग माफिया का एक बड़ा नेटवर्क फैला हुआ है, इसलिए

इन इलाकों में ड्रग तस्कर उपभोक्ताओं को ड्रग्स की आपूर्ति करते हैं। ठाणे शहर में भी क्राइम ब्रांच यूनिट-5 ने कई ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, लेकिन इनमें से बड़ी संख्या नाइजीरियाई नागरिकों की है. नशीली दवाओं की तस्करी में नाइजीरियाई अग्रणी हैं। लेकिन चूंकि स्थानीय तस्कर नशेड़ियों तक ड्रग्स पहुंचा रहे हैं, इसलिए ठाणे पुलिस ने उपयोगकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की। दूसरी ओर, इस बात की भी आशंका है कि नये साल के स्वागत में मादक पदार्थों की तस्करी बड़े पैमाने पर सक्रिय होगी. ठाणे पुलिस अपनी व्यवस्था कर रही है. ठाणे कमिश्नरेट के अंतर्गत दिवा क्षेत्र में बड़ी संख्या में नाइजीरियाई लोग रहते थे। इसलिए नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए नाइजीरियाई नागरिकों के लिए सुविधाजनक था, लेकिन 5 साल पहले एक नाइजीरियाई नागरिक की हत्या के बाद नाइजीरियाई तस्करों को लगा कि दिवा असुरक्षित है, इसलिए तस्करी के धंधे में लगे नाइजीरियाई लोगों ने मुंबई और अन्य जगहों पर शरण ली। आज भी नाइजीरियाई तस्करों की संख्या बड़ी है. ठाणे में ड्रग्स बेचने आने वाले नाइजीरियन तस्करों को क्राइम ब्रांच की टीम कई बार पकड़ चुकी है. इसके बाद तस्करों ने नवी मुंबई, मुंबई में तस्करी शुरू कर दी। हालाँकि, 31 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच आयोजित पार्टियों, रेव पार्टियों में नशीली दवाओं का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वहीं ठाणे में भिवंडी, मुंब्रा, ठाणे शहर के विभिन्न इलाकों में नशे के आदी लोग हैं। इससे तस्करी की संभावना अधिक हो जाती है. यह ठाणे पुलिस और क्राइम ब्रांच के लिए एक चुनौती है.

ठाणे पुलिस के लिए बन गए हैं चुनौती

ठाणे जिले के भिवंडी और आंबिवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संपूर्ण ईरानी जनजाति के साथ-साथ दिवा में नाइजीरियाई नागरिक रहते हैं। पुलिस इस गिरोह के अधिकतर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफल रही है. अब उनकी जगह नए लोगों और ईरानी गिरोह के सदस्यों ने ले ली है जो पुलिस रिकॉर्ड में नहीं हैं। यह ईरानी जनजाति आंबिवली, भिवंडी और मुंब्रा क्षेत्र में स्थित है। सोने की चेन चोरी का खतरा मोल लेने की बजाय अब ऐसा लगता है कि ईरानी चोर महंगे मोबाइल फोन चोरी में भी उतर गए हैं. शहर में आए दिन सोने की चेन खींची जा रही हैं, वहीं दोपहिया वाहन चोरों द्वारा पैदल चलने, खड़े होने और रिक्शे पर यात्रा करने वाले लोगों के मोबाइल फोन चुराने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसलिए ईरानी गैंग, चोरों और ड्रग तस्करों का गिरोह ठाणे पुलिस के लिए चुनौती बनता जा रहा है.

MIDC की पाइपलाइन पर 46 अनधिकृत कनेक्शन काटे गए

■ महानगर पालिका एक्शन मोड पर

उल्हासनगर. पानी की समस्या को खत्म करने के लिए उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने के आदेश पर जल आपूर्ति विभाग एक्शन मोड पर आ गया है, जिसके तहत एमआईडीसी की मुख्य पाइपलाइन पर 46 अनधिकृत नल कनेक्शन तोड़ दिए गए हैं।

मनपा क्षेत्र में पानी की समस्या हो रही है और समस्या बढ़ गई है. इस बात को ध्यान में रखते हुए आयुक्त विकास ढाकने ने अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता परमेश्वर

बडगे, उप अभियंता दीपक ढोले के साथ एक तत्काल बैठक आयोजित की। आयुक्त ढाकने द्वारा पहले मेन पाइपलाइन पर अनधिकृत नल कनेक्शन और हजारों कनेक्शनों को लक्षित करने का आदेश दिए जाने के बाद, परमेश्वर बडगे, दीपक ढोले ने अपनी टीम के साथ पालेगांव से उल्हासनगर तक पानी की आपूर्ति करने वाले एमआईडीसी की मेन पाइपलाइन पर अनधिकृत नल कनेक्शन के लिए एक खोज अभियान चलाया।

इस अभियान के तहत कार्रवाई में 46 कनेक्शन तोड़े गए हैं. इस मौके पर उप अभियंता अशोक घुले, कनिष्ठ अभियंता अश्विन राठौड़, हरेश मिरकुटे और विशेष अधिकारी विजय मंगलानी भी मौजूद थे.

साथ ही आयुक्त विकास ढाकने ने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति एमआईडीसी की मेन पाइपलाइन पर अनाधिकृत नल कनेक्शन करता है और ऐसा पाया गया तो उस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा.

...जब 26 बच्चों की खतरे में पड़ी जान!

■ ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से बची जान

■ नशे में धुत्त निजी बस चालक के खिलाफ की गई कार्रवाई

■ उल्हासनगर से विरार जा रही थी बस

■ फुटबाल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रहे थे बच्चे

कल्याण. उल्हासनगर से विरार जा रहे छात्रों की जिंदगी के साथ कुछ ऐसा खिलवाड़ हुआ जिससे सब चौंक गए है. 26 छात्र खिलाड़ियों को उल्हासनगर से विरार ले जा रही निजी बस के ड्राइवर ने शराब पी रखी थी. इस बस का ड्राइवर शुक्रवार को उल्हासनगर से निकल रहा था और कल्याण शहर से बस ले रहा था. कल्याण में ट्रैफिक पुलिस ने देखा कि बस ड्राइवर ठीक तरह बस नहीं चला रहा था. पुलिस ने तुरंत बस को रोका और बस चालक का अल्कोहल परीक्षण किया, तो पता चला कि ड्राइवर ने शराब पी रखी है.

ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि अगर बस ड्राइवर नशे की हालत में बस को विरार ले जाने की कोशिश करता तो रास्ते में दुर्घटना होने की आशंका रहती. कल्याण परिवहन विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाट ने बताया कि पुलिस ने तुरंत बस चालक को बस से उतार दिया और शराब पीकर

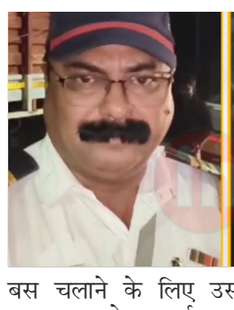

बस चलाने के लिए उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, उल्हासनगर से एक निजी बस जग्गू अकादमी के 26 छात्रों को विरार में फुटबॉल खेलने के लिए ले जा रही थी। विरार के ग्लोबल स्कूल में फुटबॉल प्रतियोगिताएं होनी थीं. शुक्रवार को उल्हासनगर से छात्रों को लेकर एक निजी बस कल्याण के वालधुनी ब्रिज से सुभाष चौक आ रही थी। सड़क पर ट्रैफिक प्लानिंग पर काम कर रहे ट्रैफिक पुलिस सुरेश पाटिल ने देखा कि निजी बस चालक अनियंत्रित तरह बस चला रहा था और ट्रैफिक नियमों को तोड़ रहा था, जबकि ट्रैफिक जाम नहीं था। जैसे ही ट्रैफिक पुलिस पाटिल को बस चालक पर संदेह हुआ, ट्रैफिक पुलिस पाटिल ने तुरंत आगे बढ़कर उल्हासनगर से आ रही बस चालक को बस रोकने की चेतावनी दी।

ट्रैफिक पुलिस सुरेश पाटिल ने बस को सड़क के किनारे ले जाकर ब्रेथ एनालाइजर की मदद से निजी बस चालक सुरेंद्र प्रसाद गौतम के मुंह की जांच की.

इस जांच में पता चला कि ड्राइवर गौतम ने शराब पी रखी थी. यातायात विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इसकी जानकारी निजी बस चालक के मालिक को दी गयी. छात्रों को असुविधा न हो, इसकी योजना बनाकर उल्हासनगर की निजी बस को कल्याण के परिवहन विभाग ने जब्त कर लिया. ट्रैफिक पुलिस सुरेश पाटिल की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया. परिवहन विभाग के वरिष्ठों ने पाटिल सहित टीम की सराहना की.

'अमित शाह हटाओ, देश बचाओ' के नारे बुलंद

■ अमित शाह के विवादित बयान पर शिवसेना उबाठा का प्रदर्शन

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना उबाठा की ओर से गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रदर्शन करके हाथ में प्ले बोर्ड लेकर नारेबाजी की गई और निषेध व्यक्त किया गया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में डॉ.

बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में विवादित वक्तव्य करने के बाद पूरे देश में अमित शाह के खिलाफ उग्र आंदोलन किए जा रहे हैं. अंबरनाथ में भी शुक्रवार को शिवसेना शिंदे गट की ओर से जोरदार घोषणाबाजी करते हुए निषेद आंदोलन किया गया. मोदी शाह हटाओ, गृहमंत्री अमित शाह इस्तीफा दो, जो बाबासाहेब आंबेडकर से टकराएगा, मिट्टी में मिल जाएगा की घोषणाबाजी की गई.

उद्धव गट के नेता एवं जिलाप्रमुख धनंजय बोडारे के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया. बोडारे के साथ उल्हासनगर शहर प्रमुख कैलाश तेजी, शहर संघटक डॉ. जानू मानकर, एड. संदीप पगारे, अजित काले के अलावा शिवसेना पदाधिकारी, महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बदलापुर में महंगा हुआ पाव

बदलापुर. मुंबई सहित इसके उपनगरों में रहने वाले आम मुंबईकरों का वडा पाव व पाव भाजी वर्षों से हिस्सा बन चुकी है. कुलगांव-बदलापुर के बेकरी वालों ने पाव की कीमत बढ़ाने का निर्णय लिया है. नई कीमत 24 दिसंबर से लागू होंगी. कुलगांव बदलापुर बेकरी ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अयूब गडकरी ने बताया कि एक पाव की लादी में मात्र 3 रुपए की बढ़ोतरी की जा रही है तथा यह फैसला एसोसिएशन ने अपनी बैठक लेकर लिया है. 24 अगस्त से एक लादी जिसमें 8 पाव होते है उसको 23 रुपए अब बेचा जाएगा.

अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष ने मुख्याधिकारी को लिखा पत्र

नपा के गृहकर विभाग से लोग परेशान

■ मसले का हल जल्द निकालें

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष एवं शिवसेना शिंदे गट के नेता सुनिल चौधरी ने अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्याधिकारी को लिखित शिकायत करके नपा गृहकर विभाग में सुधार लाने की मांग करते हुए कहा है कि गत 2 वर्षों से गृहकर भरने के लिए शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि अंबरनाथ के 90% नागरिक गृहकर भरते हैं. गत 2 वर्षों से गृहकर विभाग में कर भरने के लिए पापड़ बेलने पड़ रहे हैं. उनके पास शहरवासियों द्वारा आई शिकायतों के अनुसार विभाग की ओर से कर की पावती घरों तक समय पर पहुंचाई नहीं जा रही है. कर हस्तांतरण करने के बाद नाम में बदल नहीं किया जा रहा है. आनलाइन गृहकर भरने के लिए बार-बार साइट बंद हो जाता है. यही हाल ऑफ लाइन भरने के लिए कार्यालय में आए शहरवासियों के साथ भी हो रहा है. ऐसी अनेक शिकायतें सुनिल चौधरी के पाश आई हुई है. सुनिल चौधरी इस मसले का हल निकालेंगे, ये सोचकर कई शहरवासियों ने उनके पास शिकायतें की हैं. सुनिल चौधरी ने कहा है कि ये शिकायतें निश्चित ही गंभीर स्वरूप की हैं. उन्होंने मुख्याधिकारी, प्रशासक से विनती की है कि विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक लेकर इस गंभीर समस्या का हल जल्द से जल्द निकालें और इस समस्या से लोगों को छुटकारा दिलाएं.

1730 दिनों से गरीबों में भोजन बांट रहा सोमेश्वर परिवार

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के समाजसेवक एवं शिवशेना शिंदे गुट के युवा नेता विकास सोमेश्वर और राहुल सोमेश्वर ने गत 1730 दिनों से शहर पश्चिम के अपने कार्यालय में गरीबों को अन्नदान कर रहे हैं. रोजाना सैकड़ों गरीब उसका लाभ उठा रहे हैं. कोरोना काल में 20 मार्च 2020 से रघुवंशी राम रोटी के नाम से गरीबों को भोजन कराने का सिलसिला अभी तक जारी है. उनके पिता हेमराज सोमेश्वर रोजाना अपने हाथों से गरीबों को भोजन करा रहे हैं. कोरोना महामारी में वह घर-घर जाकर जिन्हें भोजन प्राप्त नहीं होता था, उन्हें भोजन का पैकेट दिया करते. विकास ने हमें बताया कि कोरोना महामारी के समय वह 2700 से 2800 लोगों को मुफ्त में भोजन देते थे. भोजन में दाल, चावल, सब्जी, रोटी और मिठाई गरीबों को रोजाना दिया जाता है. उन्होंने कहा कि वह शिवसेना के 80% समाजकारण और 20% राजकारण को देखते हुए ये कार्य कर रहे हैं. हम ये राजनीति के लिए नहीं समाज के लिए कार्य कर रहे हैं. हमें हमारे परिवार को ऐसा कार्य करने में खुसी प्राप्त होती है. रोजाना दोपहर में गरीब और भूखे पुरुष, महिलाएं और बच्चे भोजन प्राप्त करने के लिए सुबह से ही उनके कार्यालय के पास आकर बैठ जाते हैं.

शिवसेना के युवा नेता राहुल हेमराज ने कहा कि ये सिलसिला तब तक चालू रहेगा, जब तक लोग आते रहेंगे. उनके साथ इस कार्य को करने वालों का उन्होंने आभार व्यक्त किया है.

युवक पर हमला करने वाले पर FIR दर्ज नहीं

■ पवन खतिजा ने पुलिस से इंसाफ की गुहार लगाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर 3 स्थित सपना गार्डन के पास युवक को लोहे की रॉड से पीटने की घटना हुई है. घायल युवक ने मामला दर्ज कर संबंधित युवक के खिलाफ कड़क कार्रवाई की मांग की है। घायल युवक का नाम पवन हरेश खतीजा है, पवन और हमला करने वाला रौनक शर्मा दोनों कॉलेज के दोस्त हैं, कॉलेज ग्रुप का ही रौनक ग्रुप की एक लड़की से बातचीत करता था , लड़की के भाई ने उसे

बातचीत से मना किया। इस बात से रोनक नाराज था और उसे पवन पर संदेह था कि उसके कारण यह बात हुई। रोनक ने अपने गुस्से को दिल में रखकर एक दिन सपना गार्डन के पास पवन को लोहे के सलिये से पीटा। सेंट्रल पुलिस थाने में एफआईआर न कर सिर्फ एनसी अपराध ही दर्ज किया गया। पवन ने पुलिस उपायुक्त से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है. क्योंकि हमलावर अभी भी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है।

महाराष्ट्र विधानसभा में पहुंची 'अगरबत्ती की आग'

■ विवाद के चलते सरकारी अफसर सस्पेंड

■ आरोपी शुक्ला व उसके साथी 6 दिन की रिमांड पर

कल्याण. कल्याण की एक हाई राइज सोसायटी में अगरबत्ती को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि मामला राज्य की विधानसभा तक पहुंच गया. अगरबत्ती जलाने को लेकर हुए विवाद के हिंसक रूप लेने के बाद तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है. कल्याण की अजमेरा हाइट्स सोसायटी में गुरुवार रात को हुई इस घटना ने मराठी और गैर-मराठी निवासियों के बीच बढ़ते तनाव को सामने ला दिया है, जिससे विवाद और बढ़ गया है.

योगीधाम अजमेरा हाइट्स परिसर के एक परिवार (शुक्ला) का अपने पड़ोसियों से अगरबत्ती जलाने को लेकर झगड़ा हो गया. ये बहस बड़े झगड़े में बदल गई. शुक्ला

ने गुंडों का एक गिरोह बुलाया और पड़ोस में रहने वाले देशमुख परिवार की पिटाई की। इसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं. इसके बाद देशमुख का परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचा। पुलिस ने शुरू में देशमुख परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में संकोच किया। आख़िरकार नागरिकों के आक्रोश के बाद पुलिस ने शुक्ला के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया. उन्होंने अपने द्वारा बुलाए गए गैंगस्टरों के गिरोह के छह सदस्यों को भी हिरासत में लिया।

इस बीच पुलिस ने शुक्ला और उसके साथियों को कोर्ट में पेश किया. इसके बाद कोर्ट ने शुक्ला और उसके साथियों को छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. पुलिस मामले की जांच करेगी, शुक्ला और उसके साथियों से पूछताछ करेगी और छह दिन बाद अदालत में अपने साक्ष्य पेश करेगी

धुएं को लेकर हुआ विवाद

जानकारी के मुताबिक विवाद तब शुरू हुआ जब सोसायटी में रहने वाले सरकारी अधिकारी अखिलेश शुक्ला ने अपने अपार्टमेंट के बाहर अगरबत्ती जलाई. बताया जा रहा है कि इस अगरबत्ती के धुएं से पड़ोसी परेशान हो गए, जिसकी वजह से एक अन्य निवासी विजय कल्विकटे ने शुक्ला से ऐसा न करने का अनुरोध किया. मामूली असहमति के रूप में शुरू हुआ यह विवाद तब कंट्रोल से बाहर हो गया जब शुक्ला ने कथित तौर पर 10 से 15 लोगों के एक समूह को बुलाया.

लोहे की रॉड से लैस लोगों ने किया हमला

हैरानी इस बात की है कि ये लोग लोहे की छड़ों से लैस थे और इन्होंने विजय कल्विकटे और अभिजीत देशमुख समेत दो अन्य लोगों पर बेरहमी से हमला किया. देशमुख के सिर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि कल्विकटे और दूसरे निवासी धीरज देशमुख को कम गंभीर चोटें आईं हैं. हमले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे लोगों में गुस्सा फैल गया है.

पुराना मामला खुलकर आया सामने

अजमेरा हाइट्स के निवासियों ने शुक्ला पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उन पर दूसरों को डराने के लिए सरकारी कर्मचारी के रूप में अपने पद का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया है. शुक्ला कथित तौर पर उत्पीड़न की पिछली घटनाओं में शामिल रहे हैं, जिसमें एक युवती को उसके पिता की मौजूदगी में धमकी देना भी शामिल है. उनका दावा है कि उनके कामों ने समाज में भय का माहौल पैदा किया है, जिससे अन्य लोग उनके खिलाफ बोलने से हतोत्साहित हो रहे हैं.

विधानसभा में उठा मामला

मराठी और गैर मराठी होने के चलते यह यह मामला राज्य विधानसभा में भी खूब उछला. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और अखिलेश शुक्ला को सस्पेंड कर दिया गया है. फडणवीस ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा,'मुंबई और महाराष्ट्र मराठी लोगों का कहा कि अगर कोई उनके खिलाफ गलत बर्ताव करता है तो उसे सबक सिखाना ही होगा. हमारी राष्ट्रीय और प्रांतीय दोनों पहचान है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

नौका कंपनियां कटघरे में

मुंबई में पर्यटन के लिए निकले यात्रियों को क्या पता था कि वे हादसे की नौका पर सवार हैं! बुधवार को हुई दुर्घटना ने एक बार फिर कई सवाल खड़ा कर दिए हैं, जिसमें घोर बदइंतजामी उजागर हुई है। इंजन परीक्षण के लिए जा रहा नौसेना का पोत अचानक नियंत्रण खो देगा, शायद इसकी कल्पना न तो इसके चालकों ने की होगी और न पर्यटकों को ले जा रही नौका के चालक सदस्यों ने। मगर इस घटना में जिस तरह की खामियां और लापरवाही सामने आई है, वह गंभीर है।

क्षमता से अधिक बैठे थे यात्री

दुर्घटना से पहले यह नौका गेटवे आफ इंडिया से पर्यटकों को लेकर एलिफेंटा द्वीप जा रही थी। उस समय इस पर एक सौ दस से अधिक यात्री सवार थे। जबकि नौका की क्षमता अस्सी यात्रियों की थी। सवाल है कि निर्धारित संख्या से अधिक यात्रियों को ले जाने की अनुमति किसने दी? संयोग की बात है कि हादसे के तुरंत बाद समुद्री पुलिस, तटरक्षक बल और नौसेना के बचाव दल के साथ मछुआरों ने भी आगे आकर निन्यानबे पर्यटकों को डूबने से बचा लिया। अगर जरा भी देरी हुई होती, तो कई और यात्रियों की जान चली जाती। दुखद है कि तीन नौसैनिकों और दस नागरिकों को नहीं बचाया जा सका।

यात्रियों को सामान की तरह लाद कर ले जाने वाली नौका का संचालन करने वाली कंपनी अगर यात्रियों की निर्धारित संख्या का नियम तोड़ने पर सख्ती दिखाती और नौका पर हर यात्री के लिए जीवनरक्षक जैकेट न रखने जाने पर परिचालन कर्मियों से जवाब-तलब करती, तो शायद यह नौबत नहीं आती। समुद्र में पोत की टक्कर से नौका पलटने पर आखिर यात्री अपनी जान कैसे बचाते? हादसे में बचे पर्यटकों ने शिकायत की कि नौका पर उनके लिए पर्याप्त जीवनरक्षक जैकेट नहीं थे।

यात्रियों की सुरक्षा की चिंता किए बिना नाव किस आधार पर चलाई जा रही थी? जाहिर है, ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए यात्रियों के जीवन को जोखिम में डालने वाली नौका कंपनियों को भी कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। प्रशासन ने अब नाव पर सवार होने वाले सभी यात्रियों के लिए जीवनरक्षक जैकेट बेशक अनिवार्य कर दिया हो, लेकिन ऐसे कदम हादसे के बाद उठाने के बजाय अगर नियमित सुरक्षा इंतजामों की निरंतर जांच और निगरानी हो, तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

दो पाठ्यक्रम : दूर होता समान शिक्षा का लक्ष्य

शिक्षा सुधार की प्रक्रिया में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 10वीं के छात्रों के लिए विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में भी वैसे ही दो तरह के पाठ्यक्रम बनाने पर विचार हो रहा है, जैसा गणित विषय में पहले से ही है। अभी सीबीएसई 10वीं कक्षा में गणित बेसिक और गणित स्टैंडर्ड दो स्तर पर ऑफर किया जाता है। इसके आधार पर कुछ विद्यार्थी बेसिक गणित पढ़ते हैं और कुछ स्टैंडर्ड गणित। बेसिक गणित की तुलना में स्टैंडर्ड गणित कठिन होता है। स्टैंडर्ड गणित पढ़ने वाले विद्यार्थी ही आगे चलकर इंजीनियरिंग आदि की परीक्षा देने में समर्थ होते हैं। यहां तक कि 11वीं और 12वीं में भी गणित पढ़ने की आजादी इन्हीं छात्रों को दी जाती है।

गणित विषय के संबंध में इस बात पर कुछ हद तक सहमत हुआ जा सकता है, क्योंकि इसकी कुछ कठिन परिकल्पनाएं एक स्तर के बाद काम नहीं आतीं। याद करें तो किसी वक्त नौवीं और दसवीं में लड़कियों के लिए गणित की जगह होम साइंस का विकल्प रहता था। हालांकि अब वक्त बदल गया है। समाज की समझ में भी यह बात आ गई है कि लड़कियां भी गणित और विज्ञान में उतनी ही प्रतिभा रखती हैं, जितना लड़के। यही कारण है कि ताजा आंकड़ों के अनुसार इंजीनियरिंग कालेजों में 30 प्रतिशत लड़कियां इंजीनियरिंग पढ़ रही हैं।

मौजूदा सरकार ने तो एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए आइआइटी में 20 प्रतिशत सीट लड़कियों के लिए आरक्षित कर दी है, लेकिन दो अलग तरह के पाठ्यक्रम की यही बात विज्ञान और सामाजिक विषयों के लिए सही नहीं

होगी। विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की शिक्षा ही बच्चों की समझ को मुकम्मल बनाती है। इसलिए इन विषयों को दुनिया भर में दसवीं तक अनिवार्य रूप से सर्वश्रेष्ठ ढंग से पढ़ाया जाता है। शिक्षा की बुनियाद यही विषय बनाते हैं। विज्ञान जहां बच्चों को तर्कशील प्रयोगधर्मी बनाता है, वहीं सामाजिक विज्ञान उनमें समाज, देश-दुनिया की राजनीति, अर्थशास्त्र और इतिहास की समझ पैदा करता है। लिहाजा इन विषयों की पढ़ाई हर बच्चे के लिए समान रूप से अनिवार्य होनी चाहिए। ऐसी शिक्षा ही उन्हें स्वावलंबी बनाएगी और यही लोकतंत्र के हित में भी है।

दो तरह के पाठ्यक्रम बनाने के पीछे बच्चों पर पढ़ाई के बोझ को कम करने का विचार हावी लगता है, लेकिन यह सच्चाई से बहुत दूर है। इसे कोटा या दूसरी जगहों पर छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं से जोड़ना गलत होगा, क्योंकि उन बच्चों में मानसिक तनाव समाज एवं मां-बाप के दबाव और नंबरों की अंधी दौड़ की देन है। उन पर इन विषयों का दबाव नहीं है।

देखा जाए तो शिक्षा का अर्थ केवल कक्षाएं पास करना या परीक्षाओं में कुछ नंबर ज्यादा लाना ही नहीं होता, बल्कि बच्चों में एक बेहतर नागरिक बनाना होता है। जैसे कि ब्रिटेन की शिक्षा प्रणाली करती है। वह कहती है कि ₹15 वर्ष की उम्र तक विद्यार्थी को पूरी दुनिया में घूमने और संवाद करने की क्षमता होनी चाहिए।₹ यह विज्ञान और दूसरे विषयों को और बेहतर ढंग से पढ़ने से ही संभव हो सकता है, पाठ्यक्रम की काट-छांट से नहीं।

यह कदम नई शिक्षा नीति के उस विचार की भी उपेक्षा करता है, जिसमें समान शिक्षा की बात कही गई है और जिसके तहत मेडिकल और आइआइटी जैसे संस्थाओं या पिछले दिनों केंद्रीय विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए समान प्रवेश परीक्षाएं शुरू की गई हैं। हमारे देश के निजी स्कूलों से निकले इंजीनियरों की क्षमता और स्किल पर दुनिया भर में ऐसे प्रश्न उठ रहे हैं कि उनमें से 70 प्रतिशत डिग्री होने के बावजूद सक्षम नहीं हैं। ऐसी चुनौती के बीच तो हमें अपने पाठ्यक्रमों को और बेहतर करने की जरूरत है।

हालांकि नई शिक्षा नीति में पाठ्यक्रमों को मजबूत बनाने, प्राइमरी एवं उच्च स्तर अपनी भाषाओं में पढ़ाई पर जोर दिया गया है, लेकिन इस दिशा में अभी कोई विशेष प्रगति नहीं दिखी है। इसके अलावा 11वीं एवं 12वीं और दूसरे स्तरों पर अपनी मर्जी से विषय लेने की जो बात चार साल पहले हुई थी, उस दिशा में भी ठोस कदम नहीं बढ़ाए सके हैं।

शिक्षा की पुरानी शैली यथावत जारी है, बल्कि उसमें और गिरावट आई लगती है, जिसका प्रमाण देश में आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों और बाहर जाकर पढ़ने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि है। यह न भूलें कि शिक्षा प्रणाली में बदलाव भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित करते हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास के द्वारा हम शांति प्राप्त कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संवाद के जरिए चीन विवाद का हल

पिछले कुछ समय से भारत और चीन के बीच सीमा पर शांति बनाए रखने के मकसद से वार्ताओं का क्रम जारी है और इससे उम्मीदें भी जगी हैं। मगर विचित्र है कि दोनों देशों के बीच हर औपचारिक बैठक के बाद इसके लिए व्यावहारिक स्तर पर कदम उठाए जाने की घोषणा होती है और अगली बार की बैठक के बाद आए नतीजों से ऐसा लगता है कि फिर से उन्हीं पुराने मसलों को सुलझाने की कोशिश की जा रही है। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत और चीन के बीच सीमा पर उठे मसलों का समाधान एक जटिल समस्या है और उसके हल के लिए किसी तरह की जल्दबाजी शायद ठोस नतीजे न दे।

सवाल है कि अगर विवाद को सुलझाने को लेकर किसी मुद्दे पर सहमति बनती है, तो उस पर अमल को लेकर समान स्तर की निरंतरता क्यों नहीं दिखती। यह बेवजह नहीं है कि हर वार्ता अपने शुरूआती बिंदु पर ही ठहरी हुई दिखती है। पहले की वार्ताओं में विवाद को सुलझाने के लिए जो कदम उठाने पर सहमति बनी होती है, उसका कोई ठोस नतीजा नहीं दिखता। हालांकि यह अपने आप में महत्त्वपूर्ण है कि समस्या के समाधान को लेकर दोनों देशों के बीच सकारात्मक संवाद जारी है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच बुधवार को बेजिंग में बैठक हुई। खबरों के मुताबिक, दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान 'सार्थक चर्चा' की और छह सूत्री आम सहमति पर पहुंचे, जिसमें सीमा पर शांति बनाए रखने, तल्खी खत्म करने और संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को बढ़ावा देने

के लिए आगे भी कदम उठाना शामिल है। अब तक की बातचीत से समाधान के जो रास्ते तैयार हो सके हैं, निश्चित रूप से उस पर आगे बढ़ने की जरूरत है और यह तभी संभव है जब सहमति के बिंदुओं को जमीनी स्तर पर उतारने की कोशिश हो। इस क्रम में दोनों पक्षों की ओर से इस जरूरत पर जोर दिया जाना भविष्य के लिए उम्मीद जगाता है कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों की समग्र स्थिति के परिप्रेक्ष्य में उचित तरीके से संभाला जाना चाहिए, ताकि आपसी संबंधों के विकास पर इसका असर न पड़े। यह एक अहम पहलू है, जिस पर एक परिपक्व समझ और सहमति बनाया जाना जरूरी है, क्योंकि सीमा पर विवाद के संदर्भों के समांतर भारत और चीन के बीच अनेक स्तर पर परस्पर हितों पर आधारित संबंध हैं और उन्हें संभालना भी आवश्यक है।

विडंबना यह है कि कई बार दोनों देशों के बीच हुई वार्ता के बाद कुछ समय तक सब कुछ ठीक होने की दिशा में बढ़ता दिखाई देता है, मगर बीच में चीन की ओर से नाहक अतिक्रमण या अवांछित गतिविधियों की खबर आ जाती है। इससे एक गैरजरूरी बाधा खड़ी होती है और संवाद की स्थितियों पर भी असर पड़ता है। मगर ताजा बैठक में दोनों पक्षों ने जिस तरह विशेष प्रतिनिधियों के तंत्र को और मजबूत करने, कूटनीतिक और सैन्य वार्ता समन्वय और सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया है, वह एक सकारात्मक पहल है।

पिछले कुछ समय से भारत और चीन के बीच सीमा पर शांति कायम करने और समस्याओं का दीर्घकालिक हल निकालने को लेकर हुई वार्ताओं के बाद स्थिति में सुधार को लेकर एक स्पष्ट तस्वीर बननी शुरू हुई है। खासतौर पर 21 अक्तूबर को हुए समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर सहमति बनी थी। अब जरूरत उससे आगे का रास्ते तैयार करना है, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में खटास को पूरी तरह दूर किया जा सके।

जिनके घर में हर दिन आते हैं 250 तोते!

जरा हट के

राजकोट शहर में एक पक्षी प्रेमी हैं, जिनके घर हर दिन 250 से ज्यादा तोते आते हैं. नवनीतभाई अग्रवाल, जो आयकर कार्यालय में काम करते हैं, को पक्षियों से एक अनोखा लगाव है. आजकल जब शहरों में तोते मिलना दुर्लभ हो गए हैं, तोते हर दिन तीन शिफ्ट्स में आते-जाते हैं – सुबह, दोपहर और शाम.

नवनीतभाई की यह यात्रा छोटे से शुरू हुई

नवनीतभाई ने बताया, "पहले वो एक-दो मुट्ठी मक्का डालते थे, जो अब बढ़कर रोज़ दो किलो हो गई है." सिर्फ तोते ही नहीं, बल्कि गिलहरी भी इस मक्का का फायदा उठाती हैं. तोतों का आना हर सुबह 6:30 बजे से शुरू होता है. नवनीतभाई भी सुबह 6 बजे से छत पर मक्का सुखाने का काम शुरू कर देते हैं, जिसे करने में उन्हें लगभग एक डेढ़ घंटा लगता है.

पक्षियों का शहर में आना

नवनीतभाई के मुताबिक, आजकल खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों के उपयोग के कारण तोते शहर की ओर रुख कर रहे हैं. उनका घर राजकोट का पहला घर है, जहां इतनी बड़ी संख्या में तोते नियमित रूप से आते हैं. उनके बालकनी में 7-8 तोते दिनभर स्थायी मेहमान की तरह रहते हैं.

बता दें कि नवनीतभाई का पक्षियों के प्रति प्यार नया नहीं है. पहले जब वो क्वार्टर में रहते थे, तो 7-8 मोर नियमित रूप से उनके पास आते थे, जिन्हें वो खाना खिलाते थे. नवनीतभाई मानते हैं कि, "पक्षी हमारे संदेश को सीधे भगवान तक पहुंचाते हैं." आजकल, सिर्फ तोते ही नहीं, बल्कि गिलहरी भी उनके घर के सबसे नियमित मेहमान बन गए हैं. इस प्रकार, जब शहरी क्षेत्रों में पक्षियों की संख्या घट रही है, नवनीतभाई जैसे पक्षी प्रेमियों के प्रयास सराहनीय हैं, जो इन मौन प्राणियों की देखभाल कर रहे हैं.

वॉक करते समय न करें ये गलतियां

फायदे की जगह हो जाएगा नुकसान

आज की रफ्तार वाली जिंदगी में लोगों के पास हर पाल काम ही काम रहता है. लेकिन यह काम शारीरिक नहीं बल्कि बैठे-बिठाए ही हो जाता है. ऐसे में लोगों की शारीरिक गतिविधियां बहुत कम हो गई है. लेकिन हेल्दी लाइफ के लिए फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है. कई ऐसी रिसर्च हैं जिनमें यह दावा किया गया है कि फिजिकल एक्टिविटी के नहीं होने से आज कई तरह की बीमारियां लोगों को समय से पहले होने लगी है. दूसरी ओर हमारा खान-पान भी बहुत खराब हो गया है. इसलिए एक्सरसाइज और भी ज्यादा जरूरी हो गई है. समय अभाव के कारण जो लोग हेल्थ को लेकर ज्यादा सतर्क रहते हैं, वे कम से कम मॉर्निंग वॉक तो जरूर करते हैं लेकिन अक्सर लोग वॉक या पैदल चलते समय गलती कर बैठते हैं जिसके कारण फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ता है. इसलिए इन गलतियों को सुधार कर ही वॉक का फायदा मिलेगा.

वॉक करने के दौरान आम गलतियां

1. वॉक की स्पीड- सीएनएन न्यूज की रिपोर्ट ने एक्सपर्ट के हवाले से बताया है कि अगर आप रोजाना वॉक करते हैं या पैदल चलते हैं लेकिन आपकी गति या पेस सही नहीं है तो इसका कोई खास फायदा नहीं होगा. यदि आप स्वस्थ्य हैं और आप वॉक कर रहे हैं तो आपकी गति कम से कम 6 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए. इससे कम गति से आप चलेंगे तो इसका फायदा न के बराबर होगा.

2. हाथ को स्थिर रखना- वेरीवेलफिट के मुताबिक यदि आप वॉक कर रहे हैं और दोनों हाथों को स्थिर रखे हुए हैं तो इस वॉक का कोई फायदा नहीं है. इसलिए जब आप वॉक करते हैं तो वॉक की दिशा में आपके दोनों हाथों में रफ्तार होनी चाहिए. इससे पूरे शरीर में कंपन होती है जिससे शरीर के अंग सक्रिय होते हैं. इससे वजन कम करने में मदद मिलेगी.

3. वॉक से पहले और बाद में पानी- अक्सर लोग वॉक करने से पहले बहुत पानी पी लेते हैं. इससे फायदे की जगह नुकसान हो जाता है. वॉक से पहले ज्यादा पानी पीएंगे तो मेटाबोलिज्म बहुत तेज हो जाएगा और इससे पानी और साल्ट का बैलेंस बिगड़ जाएगा. इसलिए पानी पीने के बाद 20 से 25 मिनट तक आराम कर लीजिए उसके बाद वॉक पर जाएं. हालांकि जब प्यास लगे तो पानी पीना जरूरी है. जब वॉक खत्म हो जाए तब भी पानी पीएं.

4. गलत पॉश्चर- यदि आप गलत पॉश्चर में वॉक करेंगे तो इससे नुकसान बहुत ज्यादा होगा. जैसे यदि आप गर्दन झुकाकर वॉक करेंगे तो शोल्डर सहित पूरे शरीर में दर्द बढ़ेगा. वहीं मोबाइल फोन पर मैसेज करते या देखते या बात करते वॉक करेंगे तो इसका भी बहुत नुकसान होगा. इसलिए सही तरीके से सीधे खड़े होकर वॉक करें. इसका फायदा ज्यादा मिलेगा.

आंवले की सब्जी

सामग्री

आंवले की स्वादिष्ट चटपटी सब्जी बनाने के लिए जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ती है, वो हैं - मेथी दाना (1/2 टी स्पून), राई (1/2 टी स्पून), जीरा (1/2 टी स्पून), सौंफ (1/2 टी स्पून), हींग (1 चुटकी), हरी मिर्च (1 बारीक कटी हुई), हल्दी पाउडर (1/2 चम्मच), धनिया पाउडर (1/2 चम्मच), सब्जी मसाला (1/2 चम्मच), नमक (स्वादानुसार) और सरसों का तेल।

विधि :

आंवले की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे आंवलों को अच्छे से धो कर उबालने के लिए रख दें। आंवले को उबालते समय इस बात का ध्यान रखें कि ना तो ये बहुत ही ज्यादा पाक जाएं और ना ही ये कच्चे रखें। जैसे ही एक-एक आंवला आसानी से आसानी से फटने लगे तो गैस को बंद कर दें। अब इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें। जैसे ही ये ठंडे हो जाएं, तो आंवले के बीजों को निकालकर अलग कर दें। अब अगले स्टेप में सब्जी का स्पेशल मसाला तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले कढ़ाई को गैस पर गर्म होने के लिए रखें। जब ये पूरी

तरह से गर्म हो जाए तो इसमें मेथी दाना, राई, जीरा और सौंफ डालकर हल्का सा रोस्ट करें। अब इसे एक बर्तन में निकाल कर ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसे बिना पानी के ही मिक्सर ग्राइंडर में महीन पीस लें। इसके बाद अगले स्टेप में सब्जी बनाना शुरू करें।

आंवले की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले कढ़ाई में दो चम्मच तेल गर्म होने के लिए रखें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें एक चुटकी हींग डालें, और इसके तुरंत बाद इसमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च का तड़का लगाएं। फिर अपना तैयार किया हुआ मसाला इसमें एड करें। मसाले को लगभग डेढ़ मिनट तक भूनने के बाद इसमें उबले हुए आंवले डालें और लगातार चलाते हुए मसाले को आंवले में अच्छे से मिलाएं। लगभग 2 मिनट तक इसे यूं ही भूनते रहें। जब आंवले अच्छे से भुन जाएं तो इनमें हल्दी पाउडर, गरम मसाला, धनिया पाउडर, सब्जी मसाला और स्वादानुसार नमक डालें। अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें और फिर लगभग दो से तीन मिनट के लिए ढककर पकने के लिए छोड़ दें। बस इस तरह से आंवले की स्वादिष्ट, मसाले वाली सूखी सब्जी बनकर तैयार हो जाएगी। इसे गर्म-गर्म रोटी या पराठों के साथ सर्व करें।

हाथ-पैर हमेशा रहते हैं ठंडे?

शरीर गर्म करने के लिए अपना लें ये घरेलू नुस्खे

बढ़ती ठंड में ज्यादातर लोग इस बात से परेशान रहते हैं कि उनके हाथ और पैर पूरी तरह से ठंडे रहते हैं। कई लोगों को ठंड इतनी ज्यादा लगती है कि गल्वस और सॉक्स पहनने के बाद भी ठंड नहीं जाती और इसकी वजह से परेशानियां होने लगती हैं। अगर घंटों कंबल में रहने के बाद भी आपकी बॉडी ठंडी रहती है तो ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे आजमा कर खुद को गर्म रख सकते हैं।

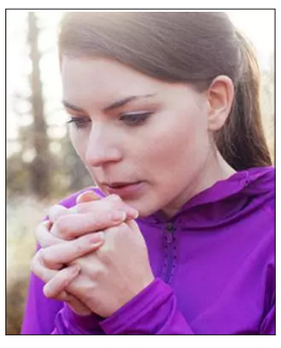

ग्रीन टी से मिलेगी गर्माहट

ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए ग्रीन टी पीएं। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है, इसी के साथ इसमें शहद मिलाकर पीने से फायदा डबल हो जाता है। इसके अलावा आप ग्रीन टी के 3-4 बैग्स को लेकर गर्म पानी में डाल कर इससे अपने हाथ-पैर की सिंकाई कर सकते हैं। आप ग्रीन टी वाले पानी में पैरों को डूबाकर पैर में गर्माहट महसूस कर सकते हैं।

गर्म कपड़े पहने

ठंड के दौरान हाथ-पैर ठंडे रहते हैं, तो हाथ-पैर में गर्म कपड़े जरूर पहनें। खासकर जब आप बाहर निकल रहे हैं, तो ग्लव्स, वार्म सॉक्स, वार्म कोट जरूर पहनें। इसके अलावा गर्म कपड़ों से पूरे शरीर को ढके।

हीटिंग पैड का इस्तेमाल करें

अगर ठंड में आपका शरीर गर्म नहीं रहता या हाथ-पैर बहुत ज्यादा ठंडे होने लगते हैं, तो इलेक्ट्रिक हीटिंग पैड का इस्तेमाल करें। हीटिंग पैड की मदद से शरीर तुरंत गर्म हो जाता है।

गुनगुने तेल से मालिश

हाथ-पैर को गर्म रखने के लिए गुनगुने तेल से मालिश करें। ऐसा करने पर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है जिससे ऑक्सीजन की सप्लाई बेहतर होती है। जिससे शरीर में गर्माहट बनी रहती है।

क्या आपको पता हैं अजवायन के फायदे?

सर्दियों के खाने में ऐसे करें इस्तेमाल

अजवायन यानी कैरम सीड हमारी भारतीय रसोई का एक ऐसा मसाला है, जिसको बचपन से हम सब ने खाया है और इसके स्वाद से भी हम वाकिफ हैं। बचपन में हमारे घर में अजवायन की पूरी, पराठा, ताजी मठरी बनना आम बात थी। ठीक ऐसे ही अरबी और केले आदि की सब्जी अजवायन के बिना बनती ही नहीं थी। इसके अलावा घर में हर साल अजवायन वाला नीबू का अचार जरूर डाला जाता था, जो खाने के साथ-साथ सफर का साथी भी रहा है। अजवायन का चूरन और मुखवास भी बनता है।

तड़के में अजवायन का उपयोग

आमतौर पर लोग जीरा, राई हींग आदि का ही इस्तेमाल घी या तेल के साथ तड़का लगाने में करते हैं, पर मैं आलू ,अरबी, केले आदि की सूखी सब्जी में लाल मिर्च के साथ अजवायन डालकर तड़का लगाती हूं। मूली की भुजिया बनानी हो या उसके कोफ्ते, तड़के में अजवायन जरूर डालती हूं। साबुत मूंग,मसूर, उड़द की दाल बनाते समय जीरे के साथ-साथ थोड़ा अजवाइन डालकर तड़का लगाइए, सब कुछ जल्दी से हजम हो जाएगा। छोले बनाने हो या मटरा, इसमें भी अजवाइन का तड़का लगाइए। स्वाद और सेहत दोनों ही सही रहेंगे। ऐसी सब्जियां जो गैस बनाती हैं,उसके तड़के में अजवायन का प्रयोग अवश्य करें।

सूप और सलाद में संगत

अजवायन को सूखा भूनकर क्रश करके एक एयरटाइट डिब्बे में रख लें। सूप सर्व करते समय उसे ऊपर से थोड़ा बुरका दें। इसके अलावा सलाद में ड्रेसिंग करते समय काले नमक में थोड़ी-सी क्रश की हुई अजवाइन मिलाकर ऊपर से बुरक दें। एक अच्छा और बढ़िया स्वाद मिलेगा।

मोयन के साथ

जब भी समोसा, कचौड़ी, खस्ता,पकौड़े,चीले आदि बनाएं, उसमें भी थोड़ी-सी अजवायन क्रश करके डालें। इससे सब जल्दी हजम हो जाता है। इसके अलावा पूरी व पराठा का आटा गूंदते वक्त मोयन के साथ थोड़ा-सा अजवायन डालना ना भूलें।

चाय में भी अजवायन

मानसून में अकसर कोई न कोई इंफेक्शन लग ही जाता है। साथ ही बारिश में भीगने पर खांसी, जुकाम व छींक जैसी समस्या हो ही जाती है। ऐसे में चाय बनाते समय उसमें थोड़ी- सी अजवाइन डाल दें। झटपट आराम मिलेगा।

ऐसे बनाएं अजवायन पाचक

एक कप साफ की हुई अजवायन को आधा कप नीबू के रस व आधा छोटा चम्मच काले नमक में रात भर के लिए भिगोएं। सुबह इसे कड़ाही में डालकर धीमी आंच पर भूनें। अब इसमें नमक, चाट मसाला और पुदीने का चूर्ण आदि मिलाकर पीस लें। स्वादिष्ट अजवायन पाचक चूर्ण तैयार है। नीबू के रस में भीगी अजवायन में भुने तिल,भुनी सौंफ और थोड़े से इलायची के बीज मिला दें, बढ़िया मुखवास तैयार है।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृषभ : धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन : वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क : वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह : स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। तनाव रहेगा।

कन्या : किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

तुला : आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृश्चिक : आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा।

धनु : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी।

मकर : आज व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ : आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे।

मीन : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दरिंदगी के बाद हत्या केस में छह महीने में आया फैसला, कोर्ट ने सुनाई मृत्युदंड की सजा

जून महीने में चार साल की मासूम के साथ दरिंदगी करने के मामले में कोर्ट ने छह महीने में ही फैसला सुना दिया। अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने चार वर्षीय मासूम से दुराचार करने के बाद उसकी नृशंस हत्या करने वाले दोषी को शनिवार को मृत्यदंड की सजा सुनाई। मुकदमे का फैसला जानने के लिए अदालत के बाहर काफी भीड़ जुटी रही। शुक्रवार को कोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था। जिला शासकीय अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह व सुनील कुमार मिश्रा के अनुसार थाना नवाबगंज कस्बा निवासी विष्णु गुप्ता उर्फ किन्ने पुत्र देवता प्रसाद ने 22 जून 2024 को इस आशय की तहरीर दी कि कटरा रेलवे स्टेशन के पास बगिया में एक मासूम बच्ची का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ है। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। घटना की विवेचना तत्कालीन विवेचक मनोज राय ने शुरू की और चौबीस घंटे के अंदर घटना का खुलासा करते हुए मध्य प्रदेश के जिला दतिया थाना सेवढ़ा के अंतर्गत ग्राम जोरी ताल निवासी विश्वनाथ वंशकार पुत्र रामदास वंशकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तीन मासूम बच्चों के संग मां ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, आए दिन मारपीट करता था पति

प्रतापगढ़. यूपी के प्रतापगढ़ से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक मां ने तीन मासूम बच्चों के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब मृतका की सास सुबह कमरे में गई तो अंदर का नजारा देख चीख पड़ी। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच में जुट गई। वहीं, मृतका का पति फरार चल रहा है। ये घटना कोतवाली देहात के भदोही गांव का है। यहां रहने वाला संदीप कुमार गौतम मजदूरी करता है। शुक्रवार की शाम उसने शराब के नशे में बीवी के साथ मारपीट की। इस बात से आहत होकर पत्नी ने तीन मासूम बच्चों के साथ देर रात में फांसी लगा ली। शनिवार सुबह जब देर तक जब वह बाहर नहीं आई तो सास कमरे में गईं। जहां मासूम बच्चों के साथ बहू का शव फंदे से लटकता देखकर चीख पड़ी। शोर सुनकर अन्य परिजन भी कमरे में पहुंचे और पुलिस को खबर की गई। चार लोगों की मौत की खबर सुनकर प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। आनन-फानन में आला अधिकारी फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शवों को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

बहराइच में भीषण सड़क हादसा, अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, तीन की मौत

बहराइच. विशेश्वरगंज में इकौना मार्ग से मानगढ़ जाने वाले लिंक मार्ग पर शुक्रवार रात तेज रफ्तार बाइक पर सागौन के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण रही कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को श्रावस्ती जिले की इकौना सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तीन घायलों की रास्ते में ही मौत हो गई। चौथे घायल को चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

केजरीवाल के खिलाफ केस चलेगा

- दिल्ली शराब घोटाला
- LG ने ED को मंजूरी दी;
- AAP बोली- अगर इजाजत मिल गई है तो कॉपी दिखाओ

नई दिल्ली. दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) को शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की इजाजत दे दी। ED ने 5 दिसंबर को एलजी से केजरीवाल के खिलाफ ट्रायल चलाने की अनुमति मांगी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ ED ने इस साल मार्च में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) के तहत केस दर्ज किया था। 21 मार्च को 4 घंटे की पूछताछ के बाद केजरीवाल को अरेस्ट किया गया था। केजरीवाल को इस केस में जमानत मिल गई थी, लेकिन ED ट्रायल शुरू नहीं कर पाई थी।

इधर, केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की अनुमति पर AAP के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा- ED मंजूरी की

कॉपी क्यों नहीं दिखा रही है। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए इन्हें जुमलेबाजी बंद करनी चाहिए। केजरीवाल ने आज ही अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना शुरू की है। पढ़ें पूरी खबर

जुलाई में चार्जशीट ट्रायल कोर्ट में दायर हुई थी, 4 पॉइंट में पूरा मामला

ED ने ट्रायल कोर्ट में केजरीवाल के खिलाफ 7वीं चार्जशीट दायर की थी। ट्रायल कोर्ट ने 9 जुलाई को चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए कहा था- केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

केजरीवाल ने नवंबर में दिल्ली हाईकोर्ट में ED की 7वीं चार्जशीट पर संज्ञान लेने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि ED ने जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों के समय वे पब्लिक सर्वेंट थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। केस चलाने के लिए ED के पास आवश्यक मंजूरी नहीं थी। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने चार्जशीट पर एक्शन लिया।

हाईकोर्ट से केजरीवाल की मांग खारिज होने के बाद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। जहां कोर्ट ने उनके हक में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केस चलाने के लिए सरकार की अनुमति जरूरी है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 6 नवंबर को फैसला सुनाते हुए कहा था कि पब्लिक सर्वेंट पर सरकार की अनुमति के बिना मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) की धाराओं के तहत केस नहीं चलाया जा सकता है। इसके बाद ED न राज्यपाल से इजाजत मांगी।

दान पेटी में गिरा आईफोन, मंदिर ने अपनी संपत्ति बताया

- युवक ने फोन मांगा तो मंदिर प्रशासन बोला- अब ये भगवान का, सिम कार्ड-डेटा ले लो

तमिल फिल्म 'पालयथम्मन' में एक महिला गलती से अपने बच्चे को मंदिर की 'हुंडी' (दान पेटी) में गिरा देती है और बच्चा 'मंदिर की संपत्ति' बन जाता है। ऐसी ही घटना चेन्नई के पास थिरुपुरुर के अरुलमिगु कंदस्वामी मंदिर में हुई है।

दरअसल, विनयागपुरम के रहने वाले एक भक्त दिनेश का आईफोन गलती से मंदिर की दान पेटी में गिर गया। आईफोन वापस मांगने के लिए उन्होंने मंदिर प्रशासन से संपर्क किया। हालांकि, उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

मंदिर के अधिकारियों ने दिनेश से कहा कि हुंडी में मिली कोई भी चीज भगवान की होती है। हालांकि, मंदिर प्रशासन ने उन्हें सिम कार्ड देने और फोन से डेटा डाउनलोड करने की पेशकश की।

दिनेश एक महीने पहले परिवार के साथ मंदिर गए थे। पूजा के बाद वे दान पेटी में पैसे डालने गए थे। जब वह अपनी शर्ट की जेब से नोट निकाल रहे थे, तो उनका आईफोन गलती से दान पेटी में गिर गया। चूंकि दान पेटी ऊंचाई पर रखी हुई थी, इसलिए वह फोन नहीं निकाल पाए। घबराए हुए दिनेश ने मंदिर के अधिकारियों से संपर्क किया।

दो महीने में एक बार खुलती है दान पेटी

मामला नवंबर का है, लेकिन दिनेश शुक्रवार, यानी 20 दिसंबर को अपना आईफोन लेने मंदिर पहुंचे थे। दरअसल, मंदिर के नियम के मुताबिक दान पेटी दो महीने में एक बार खोली जाती है। दिनेश ने मंदिर प्रशासन से अपने फोन गिरने की शिकायत दर्ज कराई। उन्हें दिसंबर में आने को कहा गया।

पैरेंट्स बच्चों को समुद्र में फेंकना चाहते थे

- ताकि डूबने से पहले रेस्क्यू टीम उन्हें बचा ले
- CISF कॉन्स्टेबल का खुलासा
- मुंबई नाव हादसा

मुंबई. मुंबई में 18 दिसंबर को हुए नाव हादसे में मौत का आंकड़ा 15 पहुंच गया। हादसे के चौथे दिन शनिवार को 7 साल के बच्चे का शव मिला। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो गया है। गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही पैसेंजर बोट और नेवी की स्पीड बोट टकराकर डूब गई थी। दोनों में कुल 113 लोग सवार थे, जिसमें 98 को बचाया गया था।

रेस्क्यू टीम में शामिल एक CISF कॉन्स्टेबल ने शनिवार को बताया कि बोट में सवार कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को समुद्र में फेंकना चाहते थे।

उन्हें लग रहा था कि बोट डूब रही है, पानी में फेंकने से बच्चे शायद बच जाएं। उन्हें लग रहा था कि बच्चों को बचाने के लिए मदद जल्दी पहुंच जाएगी।

वहीं, एक कार्गो शिप के ड्राइवर ने बताया- मेरी बोट की कैपेसिटी 12 लोगों की थी, लेकिन मैंने अपने अनुभव पर भरोसा करते हुए 56 लोगों को बोट में चढ़ाया और उन्हें किनारे तक पहुंचाया। यह बहुत बड़ा एक्सीडेंट था। महिलाएं-बच्चे चिल्ला रहे थे। सभी बोट में चढ़ना चाहते थे। इन 56 लोगों में एक बच्चा बच नहीं सका।

जयपुर LPG टैंकर ब्लास्ट में अब तक 14 मौतें

- 24 घंटे बाद भी 5 शवों की पहचान नहीं
- परिजन का DNA सैंपल लेकर लैब भिजवाया

जयपुर. जयपुर में एलपीजी टैंकर ब्लास्ट के हादसे में शनिवार को दो और मौत हुई हैं। हादसे में मरने वालों की संख्या अब 14 हो गई है। शुक्रवार को जयपुर के अजमेर रोड पर हुए एक्सीडेंट में 5 लोग मौके पर ही जिंदा जल गए थे। वहीं, 8 लोगों ने सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। एक मौत जयपुरिया हॉस्पिटल में हुई है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास हुए एक्सीडेंट में झुलसे 27 लोग अब भी हॉस्पिटल में एडमिट हैं। इनमें 7 वेंटिलेटर पर हैं। इस हादसे में 25 लोग 75 फीसदी तक झुलसे हैं। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुंचे 5 शवों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। 1 परिजन ने शव की पहचान के लिए अपना डीएनए सैंपल दिया है, जिसे डॉक्टर ने फॉरेंसिक लैब भिजवाया है।

दरअसल, शुक्रवार सुबह भारत पेट्रोलियम का टैंकर अजमेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। करीब 5.44 मिनट पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने टैंकर ने यू-टर्न लिया। इस दौरान जयपुर से अजमेर जा रहा ट्रक उससे भिड़ गया।

MCD बोला- दिल्ली के स्कूल बांग्लादेशी छात्रों की पहचान करें

- अप्रवासियों के बर्थ सर्टिफिकेट न बनाएं, अवैध निर्माण को गिराया जाए

नई दिल्ली. दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बांग्लादेशी स्टूडेंट्स की पहचान की जाएगी। म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (MCD) के डिप्टी कमिश्नर बीपी भारद्वाज ने इस संबंध में शिक्षा विभाग के डायरेक्टर को निर्देश जारी किया है।

इसके अलावा डिप्टी कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग को इनके बर्थ सर्टिफिकेट नहीं बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी जोन के असिस्टेंट कमिश्नर से कहा है कि अगर बांग्लादेशी अप्रवासियों ने अवैध निर्माण कर लिया है तो उसे गिराया जाए। 31 दिसंबर तक कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी गई है।

वेरिफिकेशन अभियान चलाएं

दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर MCD ने शनिवार को भी बैठक की है। MCD के डिप्टी कमिश्नर बीपी भारद्वाज ने कहा कि शिक्षा विभाग को अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें नगर निगम के स्कूलों में एडमिशन लेने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि बांग्लादेशी छात्रों की पहचान करने के लिए वेरिफिकेशन अभियान चलाना चाहिए।

पत्नी ने ईसाई धर्म अपनाया तो पति ने लगाई फांसी

- दीवार पर लिखा सुसाइड नोट
- ससुरालवालों पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का जिक्र

बालोद. मेरी पत्नी राकेश्वरी देवांगन अक्सर मुझसे विवाद करती है और बच्चों को छोड़कर मायके चली जाती है। वो ईसाई धर्म अपना चुकी है। इसे लेकर मुझे आपत्ति है। उचित कार्रवाई की जाए। ये लाइन बालोद के एक युवक ने मरने से पहले थाने में शिकायत पत्र में लिखी थी। युवक के ससुराल पक्ष वाले उस पर धर्मांतरण का दबाव बना रहे थे। इससे तंग आकर युवक ने फांसी लगा ली। पूरा मामला अर्जुंदा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान गजेंद्र उर्फ सूरज देवांगन (35 साल) के रूप में हुई है। सूरज ने मरने से पहले कमरे की दीवार पर सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें प्रताड़ित करने का जिक्र है। सूरज ने अपनी पत्नी, सास और ससुर पर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस ने धर्मांतरण से जुड़े आरोप का खंडन किया है। आत्महत्या से पहले सूरज अर्जुंदा पुलिस थाने भी गया था। उसने अपनी पत्नी के खिलाफ प्रताड़ना और धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। लेकिन तब पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

पुलिस ने कहा- धर्मांतरण के दबाव की बात गलत

पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी देवांश राठौर ने धर्मांतरण से जुड़े आरोप को पूरी तरह से खारिज किया है। उन्होंने बताया कि कोई व्यक्ति सूरज को 50 हजार रुपए के लिए परेशान कर रहा था। इस बात का जिक्र उसने दीवार पर लिखे सुसाइड नोट में किया है। वहीं ससुराल वालों से परेशान होने की बात भी उसने लिखी है। राठौर ने बताया कि मामले में यह बात सामने आई है कि उसकी पत्नी प्रभु यीशु पर आस्था रखती थी, इसलिए वह उससे झगड़ा करता था।

देवास में सिलेंडर ब्लास्ट, 4 की मौत

- नीचे डेयरी में भड़की आग;
- ऊपर सो रहे पति-पत्नी और 2 बच्चों की जान गई

देवास. देवास में शनिवार तड़के एक घर में आग लग गई। दूसरी मंजिल पर सो रहे पति-पत्नी और दो बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नीचे डेयरी में गैस सिलेंडर के ब्लास्ट होने के कारण आग लगी है। पहली मंजिल पर डेयरी प्रोडक्ट्स रखे थे, जिससे आग बेकाबू हो गई।

घटना नयापुरा क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घर में रखे गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। करीब तीन फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड कर्मचारी दूसरी मंजिल पर सो रहे परिवार के रेस्क्यू में जुट गई, लेकिन ऊपर जाने का रास्ता सकरा होने से टीम रेस्क्यू नहीं कर पाई।

हादसे में दिनेश कारपेंटर (35), उनकी पत्नी गायत्री कारपेंटर (30), बेटी इशिका (10) और बेटे चिराग (7) की मौत हो गई। घटना की जानकारी

मिलते ही एसपी पुनीत गेहलोद मौके पर पहुंचे। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए एफएसएल टीम जांच करेगी।

अनमोल प्रीत ने 35 बॉल में सेंचुरी लगाई

पंजाब के बल्लेबाज अनमोलप्रीत सिंह ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगा दिया। अनमोलप्रीत लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। अनमोलप्रीत ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ बड़ौदा के लिए 40 गेंदों में शतक बनाया था। अनमोलप्रीत ने सिर्फ 45 गेंदों पर 12 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 115 रनों की तेज पारी खेली।

लिस्ट-ए इतिहास की तीसरी सबसे तेज सेंचुरी

अनमोलप्रीत का 35 गेंदों में शतक अब लिस्ट-ए इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। वे केवल ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेजर मैकगर्क (29 बॉल में) और साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स (31 बॉल में) से पीछे हैं।

पंजाब 9 विकेट से जीता

पंजाब ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 165 रन के टारगेट को केवल 12.5 ओवर में हासिल कर लिया। पंजाब ने अरुणाचल के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। अरुणाचल ने पंजाब को 165 रन का टारगेट दिया। पंजाब ने इसे एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन एक अन्य मैच में मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कर्नाटक के खिलाफ नाबाद शतक लगाया। उन्होंने सिर्फ 50 गेंद में अपना शतक पूरा किया। अय्यर ने मुंबई के लिए 55 बॉल पर नाबाद 114 रन की पारी खेली।

महिला को मिला भारी भरकम पार्सल, अंदर रखी थी लाश; पुलिस भी हैरान

गोदावरी. आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां यानदागांदी गांव में एक महिला को ऐसा पार्सल मिला जिसमें किसी शख्स की लाश रखी हुई थी। सागी तुलसी नाम की महिला अपना घर बनवा रही थी। तभी एक अज्ञात संस्था की तरफ से उसके पास फोन आया। संस्था ने दावा किया कि वह गरीबों की मदद करती है। खास तौर पर अपने क्षत्रिय समुदाय के लोगों का ध्यान रखती है। उस संस्था ने कहा कि वह तुलसी की उनका घर बनवाने में मदद करना चाहती है। इसके बाद संस्था की तरफ से पार्सल आने शुरू हो गए।

पहली बार पेंट भेजा गया। इसके बाद तुलसी को पार्सल के जरिए ही टाइल्स मिलीं। इसके बाद तुलसी के पास फोन आया कि कुछ ही दिनों में उन्हें बिजली का सामान मिल जाएगा। गुरुवार रात परिवार को एक पार्सल मिला। यह एक

लकड़ी की संदूक थी। संदूक काफी भारी भी थी। तुलसी को लगा कि इसमें बिजली का सामान होगा। हालांकि जब उन्होंने संदूक खोली तो हैरान रह गए। इसमें एक शख्स की लाश थी। मृत शख्स की उम्र 45 से 50 के बीच रही होगी।

दरअसल उस समय तुलसी अपने पिता के घर गई थी। वहां उसकी बहन और बहन का पति भी मौजूद था। पार्सल खोलने पर शव के साथ एक चिट्ठी भी मिली जिसमें 1.3 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। जब तथाकथित संस्था को फोन किया गया तो पता चला कि फोन स्विचऑफ है।

पुलिस के मुताबिक तुलसी के पति सागी श्रीनीवास राव पिछले 10 साल से गायब हैं। वह अपने पिता के साथ रहने लगी थी। हालांकि उनकी छोटी बहन चेकुरी रेवती जब प्रेग्नेंट हुईं तो वह भी अपने पिता के साथ रहने आ गई। इसके बाद तुलसी ने घर छोड़ दिया और किराए पर रहने लगी। अब वह अपनाघर बनवा रही थी। गांव के सीसीटीवी भी खंगाले गए लेकिन पता नहीं चल पाया कि यह पार्सल कौन और कहां से लाया। वहीं तुलसी की बहन का पति श्रीधर भी उसी रात से गायब है।

पुलिस को शक है कि यह किसी करीबी का ही किया धरा है। वहीं श्रीधर का व्यवहार भी काफीअजीब था। गुरुवार रात से उसका फोन भी बंद है। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद की वजह से ही यह सब किया गया है।

बच्चे के नाम को लेकर हुआ विवाद

- कोर्ट ने कैसे सुलझाया मामला

कर्नाटक के मैसूरु में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया, जहां एक नवविवाहित दंपति ने अपने बच्चे के नामकरण को लेकर ऐसा विवाद खड़ा कर दिया कि बात तलाक तक पहुंच गई। इस मामले ने न सिर्फ परिवार को बल्कि अदालत तक को चौंका दिया।

- नामकरण से शुरू हुआ विवाद

2021 में 21 साल की अदिति (बदला हुआ नाम) और 26 साल के विवेक (बदला हुआ नाम) को उनके पहले बच्चे के जन्म की खुशखबरी मिली। लेकिन इस खुशी का माहौल बच्चे के नामकरण को लेकर छिड़े झगड़े से बिगड़ गया। अदिति ने अपने बेटे का नाम ₹आदि₹ रखा, जो विवेक को बिल्कुल पसंद नहीं आया। विवेक

ने इस नामकरण समारोह का बहिष्कार किया, जिससे अदिति इतनी आहत हुईं कि अपने बच्चे को लेकर मायके चली गईं।

- तलाक की नौबत

कुछ दिनों बाद विवेक को अदिति की ओर से तलाक का नोटिस मिला। मामला मैसूरु की सिविल अदालत तक पहुंचा, जहां विवेक ने आरोप लगाया कि अदिति ने उनकी राय को पूरी तरह से नजरअंदाज किया। अदिति ने कोर्ट में गुजारे-भत्ते की मांग की लेकिन विवेक ने इसका विरोध किया। इस अनोखे मामले में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश भी परेशान हो गए। उन्होंने बच्चे का नाम तय करने का सुझाव दिया। उन्होंने कुछ नाम सुझाए, लेकिन दंपति किसी पर सहमत नहीं हुए। लंबे विचार-विमर्श के बाद आखिरकार 'आर्यवर्धन' नाम पर दोनों की सहमति बनी।

अदालत ने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए दंपति से कहा कि अब वे आपसी मनमुटाव छोड़कर बच्चे को बेहतर परवरिश देने पर ध्यान दें। अदिति और विवेक ने तलाक का मामला वापस ले लिया और एक नई शुरुआत का वादा किया। बता दें नामकरण विवाद पहले भी सामने आए हैं। पिछले साल केरल हाई कोर्ट में भी एक ऐसा ही मामला देखा गया था, जहां तीन साल के बच्चे के नाम को लेकर दंपति का विवाद तलाक तक जा पहुंचा था।

MP का कांस्टेबल निकला किंग

300 KG सोना-चांदी मिल चुका, कैश का अंबार, टाइल्स के नीचे भी खजाना

भोपाल. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त पुलिस को भी शायद उम्मीद नहीं रही होगी कि परिवहन विभाग के जिस पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर वह छापेमारी करने जा रही है, वहां 'कुबेर का खजाना' निकलने वाला है। सोना और चांदी किलो नहीं क्विंटल के हिसाब से मिल रहा है। अभी तक करीब 300 किलो सोना-चांदी और करोड़ों की नकदी बरामद हो चुकी है। तीन दिन से तलाश जारी है और टीम जहां हाथ डालती है वहीं से सोना, चांदी और नकदी निकल रही है। बताया जा रहा है कि सौरभ शर्मा के ऑफिस में टाइल्स के नीचे से भी चांदी का भंडार निकला है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक लोकायुक्त के छापे में अभी तक 234 किलो चांदी और 52 किलो सोना बरामद किया गया है। इससे पहले पूर्व कांस्टेबल के

घर से पौने तीन करोड़ रुपए कैश मिल चुका है। भोपाल के ही एक जंगल में लावारिश मिली कार से 52 किलो सोना और करीब 10 करोड़ रुपए कैश मिला था। जिस इनोवा कार में कैश और सोने का ढेर मिला वह चंदन गौर के नाम रजिस्टर्ड है। चंदन सौरभ शर्मा का करीबी दोस्त बताया जा रहा है। सौरभ के घर से करोड़ों रुपए की अचल संपत्ति के कागजात भी मिले हैं। लोकायुक्त पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों के ठिकानों से मिले संपत्तियों का आंकलन करने में जुटी हुई है।

न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सौरभ शर्मा के खिलाफ रेड में एक सीक्रेट लॉकर निकला। उसने दफ्तर में टाइल्स के नीचे चांदी की सिल्लियों को छिपाया हुआ था। उसके ठिकाने से हीरे की अंगुठियां, महंगी घड़ियां भी मिली हैं। एक लेडीज पर्स भी बरामद किया गया है जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। एक साल पहले तक करीब 40 हजार रुपए महीने की नौकरी करने वाले सौरभ के पास मिले खजाने को देखकर जांच दल में शामिल अफसर भी हैरान हैं।

सौरभ और चंदन दोनों अभी तक फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी हुई है। सौरभ के विदेश भागने की आशंका भी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवहन विभाग में उसने करीब 12 साल नौकरी की और फिर वीआरएस ले लिया।

संक्षेप...

टिटवाला में अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का आयोजन

टिटवाला. श्रीराम कृष्ण सेवा मंडल की तरफ से पिछले वर्षों की तरह इस साल भी टिटवाला पश्चिम सांगोडा रोड स्थित एमजीटी एलीमेंट्री स्कूल परिसर में शनिवार 21 दिसंबर से अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं भंडारे का आयोजन किया गया है. जिसमें क्षेत्र के लोग उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं. भाजपा के उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अजय मिश्र ने बताया कि संस्था की तरफ से हर साल समाज कल्याण एवं लोगों में धार्मिक भावना जागृत करने को लेकर अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का आयोजन किया जाता है. इस बार आचार्य नरेंद्र महाराज के सानिध्य में शनिवार को सुबह मानस पाठ का शुभारंभ किया गया.

BMC चुनाव अकेले लड़ेगी शिवसेना UBT

■ कांग्रेस-सपा बोलीं- हम भी तैयार

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार के बाद शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने शनिवार को पुणे में कहा कि उनकी पार्टी मुंबई महानगर पालिका (BMC) चुनाव अकेले लड़ेगी। इससे महाविकास अघाड़ी (MVA) पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राउत ने कहा, 'कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि महानगर पालिका चुनाव अकेले लड़ा जाए।' राउत के बयान को लेकर MVA के सहयोगी दल सपा और कांग्रेस ने भी कहा कि वे अकेले चुनाव लड़ने को तैयार हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा- लोकल बॉडी चुनाव गठबंधन में हम पहले भी अकेले लड़े हैं। इस मामले में बैठकर चर्चा करेंगे।

वहीं, महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अबू आजमी भी BMC चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। आजमी ने कहा था कि समाजवादी पार्टी नफरत फैलाने वालों के साथ नहीं रह सकती और BMC चुनाव में अकेले लड़कर अपनी ताकत दिखाएगी। उन्होंने शिवसेना (UBT) को भाजपा की 'बी टीम' बताया था।

राउत बोले- मराठियों के लिए चुनाव लड़ेगी उद्धव सेना

राउत ने कहा कि MVA गठबंधन के सहयोगी दलों ने एक साथ चुनाव लड़ने पर कोई निर्णय नहीं लिया है। अभी तक कोई भी नगर निगम चुनाव गठबंधन में नहीं लड़ा गया है। जब कांग्रेस-NCP और शिवसेना-भाजपा के बीच गठबंधन था तब भी चुनाव अकेले लड़े गए थे। उन्होंने कहा कि ये अलग तरह के चुनाव हैं, इससे स्थानीय कैडर मजबूत होता है। इसका इस्तेमाल लोकसभा-विधानसभा चुनावों में किया जाना चाहिए। जिस तरह से मराठी लोगों पर हमले हो रहे हैं, सब देख रहे हैं। मराठियों के लिए हमारी शिवसेना अकेले लड़ेगी।

शिंदे बोले- उद्धव ठाकरे के पास अकेले चुनाव लड़ने के अलावा कोई चारा नहीं

वहीं, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि उद्धव की शिवसेना ने हिंदुत्व छोड़ दिया है। लोकसभा में जो कुछ भी उन्हें सफलता मिली वो सिर्फ कांग्रेस और NCP के कारण मिली। अकेले चुनाव लड़ने के अलावा उद्धव ठाकरे के पास कोई चारा नहीं है। लेकिन क्या वो इतनी हिम्मत दिखा पाएंगे क्या? यह सबसे बड़ा सवाल है।

BMC चुनाव की अहमियत

मुंबई महानगर पालिका चुनाव महाराष्ट्र की राजनीति में बेहद अहम हैं, क्योंकि यह देश की सबसे अमीर नगरपालिका है। शिवसेना के दोनों गुटों की यहां मजबूत पकड़ है।

महाराष्ट्र में नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना (शिंदे गुट) के गठबंधन महायुति को जीत मिली थी और विपक्ष के गठबंधन MVA को हार का सामना करना पड़ा था।

भिवंडी के गोदाम में काम करने वाली

बाल श्रमिक 7 लड़कियों को बचाया गया

भिवंडी. भिवंडी तालुका में गोदाम क्षेत्रों में हजारों मजदूर काम कर रहे हैं, जिसमें बाल श्रमिकों की संख्या भी अधिक है. एक गोदाम के खिलाफ कार्रवाई की गई और मौके पर मिली 7 बाल मजदूर लड़कियों को मुक्त कराया गया.स्थानीय नारपोली पुलिस स्टेशन में कंपनी के मालिक रामा सुतार के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है.

पुलिस के मुताबिक वेहले गांव के राज राजेश्वरी लॉजिस्टिक पार्क में स्मार्ट पैकेजिंग सॉल्यूशन नामक कंपनी में बाल मजदूर काम करते हैं. आई फाउंडेशन के राजेश दत्तराम दखिनकर को मिली खबर मिलने पर उन्होंने सहायक श्रम आयुक्त और जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय के कर्मचारियों और स्थानीय नारपोली पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों के साथ गोदाम पर छापा मारा और बाल श्रमिक लड़कियों को इलेक्ट्रॉनिक सामग्री पैक करते हुए पाया.राजेश दखिनकर की शिकायत के आधार पर कंपनी के मालिक रामा राम सुतार के खिलाफ बाल न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75 और 79 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

सरकारी बस चालकों का ड्रंक एंड ड्राइव जांच

■ प्रादेशिक परिवहन विभाग कुर्ला बस हादसे को लेकर गंभीर

ठाणे. मुंबई के कुर्ला में कुछ दिनों पहले बेस्ट की बस से हुई बड़ी दुर्घटना को लेकर प्रादेशिक परिवहन विभाग एलर्ट हो गया है. इसके लिए सरकारी सभी बसों के चालकों की डंक एंड ड्राइव की जांच चल रही है।

उल्लेखनीय है कि यातायात नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने पर सड़क दुर्घटना होने की संभावना अधिक रहती है, लेकिन कुछ वाहन चालक लापरवाही से वाहन चलाते नजर आते है। कुर्ला में कुछ दिन पहले एक बस दुर्घटना में कुछ लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए।राज्य सरकार ने इस दुर्घटना को गंभीरता से लिया है। जिसको लेकर ठाणे प्रादेशिक परिवहन विभाग भी भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित सावधानी बरतने की कोशिश कर रहा है। उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में परिवहन विभाग की एयर स्पीड टीम ने ठाणे शहर के बस स्टॉप पर बेस्ट, टीएमटी, एसटी, एनएमटी आदि की सरकारी बस के 100 बस चालकों पर ड्रंक एंड ड्राइव का मशीन से जांच किया गया।यह जांच शहर के तीनहात नाका, नितिन जंक्शन, घोड़बंदर रोड पर किया लेकिन रात में कोई भी चालक शराब के नशे में बस चलाता नहीं पाया गया। परिवहन विभाग का यह अभियान इसी तरह जारी रहेगा। पिछले छह माह से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों की ड्रंक एंड ड्राइव जांच अभियान चल रहा है।लेकिन अब स्पेशल अथॉरिटी ने रात में बस चालकों की जांच शुरू कर दी है।विभाग के अधिकारियों ने ड्रंक एंड ड्राइव जांच अभियान चलाकर चलती बसों को रोककर चालकों की जांच की।इस अभियान का यात्रियों ने स्वागत किया और क्षेत्रीय परिवहन विभाग की भी सराहना की। वहीं यात्रियों ने सुझाव दिया कि इस तरह का निरीक्षण अभियान हमेशा जारी रहना चाहिए।

पनवेल : 3 हादसों में 2 की मौत, 2 घायल

नवी मुंबई. पनवेल के तहत आने वाले अलग-अलग इलाके में 3 अलग-अलग दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत हुई, जबकि 2 घायल हुए, इन दोनों घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पनवेल शहर पुलिस और पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन में उक्त घटनाओं को दर्ज किया गया है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पनवेल के पास जेएनपीटी-पनवेल हाईवे पर स्कूटी चला रहे अक्षय पारकर की स्कूटी को किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से

आकर टक्कर मार दी, जिसकी वजह से अक्षय की मौत हुई. पनवेल शहर पुलिस स्टेशन में इस घटना को दर्ज किया गया है. दूसरी घटना पनवेल-मोरबे रोड पर हरिग्राम गांव के पास हुई, जहां रत्नदीप वाघपांजे की बाइक को कार ने टक्कर मार दी, इस हादसे में वाघपंजे और उनका साथी घायल हुआ, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन में इस घटना को दर्ज किया गया है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से राहगीर की मौत

पनवेल के पास मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक राहगीर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, जिसकी वजह से इस राहगीर की मौत हुई. मृतक की उम्र लगभग 45 साल है, जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है, इसलिए पुलिस उसके परिजनों की तलाश कर रही है. पुलिस ने बताया कि उक्त घटना खांदेश्वर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे के किमी 3/300 के पुणे लेन पर हुई. घटना की जानकारी मिलने पर हाईवे पुलिस, पलस्पे मोबाइल पुलिस के कर्मचारी, खांदेश्वर पुलिस और आईआरबी स्टाफ एवं डेल्टा फोर्स के स्टाफ घटना स्थल पर पहुंचा, जिसने शव को अपने कब्जे में लेकर निजी एंबुलेंस से पनवेल उपजिला अस्पताल भेज दिया. खांदेश्वर पुलिस आगे की जांच कर रही है.

'बोटिंग सुविधा वाले तालाब पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम करें'

■ आयुक्त सौरभ राव
■ पर्यावरण विभाग के अधिकारियों ने किया तालाबों का निरीक्षण

ठाणे. मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया बोट दुर्घटना को देखते हुए मनपा क्षेत्र के अंतर्गत जिस तालाब पर बोटिंग सुविधा उपलब्ध है वहां सुरक्षा संबंधी सावधानी बरतने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ ने निर्देश दिया।मनपा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 35 तालाब है।जिसमें शहर के मध्य में स्थित मासुंदा तालाब,उपवन तालाब व आंबेघोसाले तालाब पर नागरिकों के मनोरंजन के लिए पैडल बोट व मशीन बोटींग सुविधा उपलब्ध किया गया है।मासुंदा तालाब में 35 पैडल बोट व 2 मशीन बोट, उपवन तालाब में 16 पैडल बोट व 1 मशीन बोट और आंबेघोसाले तालाब में 4 पैडल बोट व 1 मशीन बोट उपलब्ध है।इसके लिए ठेकेदार नियुक्त किया गया है।बोटिंग का आनंद लेने के लिए आने वाले नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सभी उपाय लागू किया जाय।बोटिंग के लिए जाने वाले प्रत्येक नागरिक को सेफ्टी जाकेट का उपयोग करने के लिए बाध्य करें और इसका विरोध करने वाले को बोटिंग नही करने दें यह आदेश मनपा प्रशासन ने दिया है।साथ ही बोट में बुयास रिंग, रोप सेफ्टी जैकेट रखने के निर्देश भी संबंधित ठेकेदारों को दिया गया।मनपा पर्यावरण विभा उपायुक्त डॉ. पद्मश्री बैनाडे, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने तीनों तालाब जहां बोटिंग की सुविधा उपलब्ध है वहां का दौरा कर सभी चीजों का जायजा लिया और बोटिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी संबंधित लोगों को दिया।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बोटिंग के लिए आने वाले नागरिकों से मनपा के दिये गये निर्देशों का पालन करने के लिए आवाहन किया।

वारपिंग मशीन जलकर राख

भिवंडी. भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन हद स्थित पावरलूम क्षेत्र खोका कंपाउंड में सुबह करीब 9 बजे एक बंद वायरिंग कारखाने में अचानक भीषण आग लग गई.आग की चपेट में आकर वारपिंग करखाना जलकर स्वाहा हो गया. वारपिंग कारखाना बंद होने से बड़ी दुर्घटना दुर्घटना होने से बच गई.सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर कर्मियों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को 1 घंटे में बुझाने में कामयाबी हासिल की.आग बुझाने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने राहत की सांस ली.

भिवंडी में RPI आठवले गट का आंदोलन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. परभणी में भारतरत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के पुतले एवं संविधान प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने, युवक की निर्मम हत्या की गूंज भिवंडी तक पहुंच गई है.घटना का विरोध कर रहे युवक की पुलिस द्वारा पिटाई से मौत का मामला गर्मा गया है.उक्त प्रकरण में सोमवंशी सूर्यवंशी की दुखद मौत हुई है.समूचे प्रदेश में घटना से आक्रोशित आंबेडकरवादी समाज द्वारा भारी विरोध किया जा रहा है.भिवंडी में आरपीआय आठवले गट भिवंडी शहराध्यक्ष महेंद्र गायकवाड,

जिलाध्यक्ष संजय गायकवाड,तालुकाध्यक्ष भरत जाधव के नेतृत्व में मनपा मुख्यालय स्थित बाबासाहेब आंबेडकर के अर्ध पुतला के सामने घटना का तीव्र निषेध करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में किए वक्तव्य का भी भारी विरोध दर्ज कराया.जिलाध्यक्ष महेंद्र गायकवाड,संजय गायकवाड,भरत जाधव सहित पक्ष पदाधिकारी सुनील वाघमारे,रवी गुज्जा,पिंट्या पाईकराव, अंबादास गायकवाड, अविनाश कांबले,दिगंबर गायकवाड,बालासाहेब लांडगे आदि के शिष्टमंडल ने परभणी में दलित समाज पर दर्ज आपराधिक मामला वापस लेने,मारपीट करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने,युवक की अकारण पिटाई में लिप्त पुलिस अधिकारी पर हत्या का मामला दाखिल करने की मांग मुख्यमंत्री से करते हुए प्रांत अधिकारी अमित सानप को ज्ञापन सौंपा है.आंदोलन को देखते हुए पुलिस उपायुक्त डा.मोहन दहीकर द्वारा तगड़ा पुलिस बंदोबस्त किया गया था.इसके पूर्व आरपीआई (एकतावादी) प्रदेश अध्यक्ष विकास निकम के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने प्रांत अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कर दोषियों पर कड़क कार्यवाही एवं पीड़ित परिवार को न्याय देने की मांग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की थी.

SST कॉलेज का 'आवाहन' इंटर कालेज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

उल्हासनगर. एसएसटी कॉलेज के 'संजीवनी' सांस्कृतिक विभाग ने घनसोली स्थित जे.के. कॉलेज द्वारा आयोजित 'आवाहन' अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता में अपनी खास छाप छोड़ी है।

समूह नृत्य और एकल नृत्य प्रतियोगिता में डांस मैनिया ग्रुप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। सुरज कदम और श्रवण माली ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त कर एकल नृत्य में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

क्रिएटिव मेकअप और फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं में लक्ष्मी कांबले और मयूरी मुछकेल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि मेहंदी प्रतियोगिता में आंशिका शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे सांस्कृतिक विभाग का मार्गदर्शन और कॉलेज प्रबंधन का मजबूत समर्थन है। विजेताओं की हर ओर सराहना हो रही है, और उनकी सफलता ने कॉलेज का नाम रोशन किया है।

भिवंडी में 5.50 लाख की बिजली चोरी उजागर

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी द्वारा कोन गांव में साढ़े 5 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई है. मिली जानकारी के अनुसार, कोन गांव साईं रेजीडेंसी, साईं कॉलोनी, रामदेव पार्क सोसायटी के सचिव सचिन,पाटिल एवं सदस्य पिंपलपर, विश्वनाथ सुरेश , पिंपलघर, आयशाबी अब्दुल शहीद मोहम्मद, फिरोज शेख ने अपने आर्थिक लाभ के लिए बिजली मीटर को तोड कर घर के पास के पोल से आने वाले काले रंग के सर्विस तार से जोड़कर अपने बिजली बोर्ड में लगाया था.5 लाख 46 हजार रुपए की बिजली चोरी की. महाराष्ट्र विद्युत वितरण मंडल द्वारा की गई शिकायत के आधार पर शांतिनगर पुलिस ने 7 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है.

संसद परिसर में हुए बवाल पर फूटा कंगना का गुस्सा

■ राहुल गांधी को बताया जिम ट्रेनर

संसद परिसर में गुरुवार को बीजेपी और कांग्रेस के बीच धक्का-मुक्की की घटना देखने को मिली थी। इस दौरान बीजेपी सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत के घायल होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद, बीजेपी नेताओं की ओर से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने सांसदों को धक्का दिया जिस वजह से उन्हें चोट लगी। इस पूरे मामले पर अब बीजेपी एमपी कंगना रनौत ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को जिम ट्रेनर बताया है।

कंगना रनौत ने इस पूरे मामले पर बात करते हुए कहा, ₹ये शर्मनाक बात है कि हमारे सांसदों को टांके आए हैं, खून निकला है। तो उन्होंने ये पूरा झूठ फैलाया है, चाहे बाबा साहब आंबेडकर को लेकर हो या संविधान को लेकर हो...इनका झूठ हर बार पकड़ा गया है। हर बार जो है उसका पर्दाफाश किया गया है, लेकिन अब इनकी क्रूरता और हिंसा अब संसद भवन तक पहुंच चुकी है। देखिए आज इन्होंने ये काम किया है, धक्का दिया है, उनको जो है खून निकला है। कंगना ने ये बयान न्यूज एजेंसी ANI को दिया है।

कंगना रनौत ने अपना ये वीडियो बाइट अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- ₹आज बीजेपी सांसदों पर संसद भवन में राहुल गांधी द्वारा हमला किया गया, ये आदमी संसद भवन में अपनी बाइसेप्स और मसल्स दिखाने के लिए जिम ट्रेनर की तरह आता है। और अब उन्होंने लोगों को धक्का देना और मुक्का मारना शुरू कर दिया है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099